A–360

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–607

गद्य एवं पद्य काव्य भाग–02

MA SANSKRIT (MASL)

4th Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि अश्वघोष का जीवन परिचय देते हुये बुद्धचरितम् के महाकाव्यत्त्व पर प्रकाश डालिए।

2. बुद्धचरितम् के आधार पर बुद्ध की शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

3. 'नैषधीयचरितम्' की कथावस्तु का सविस्तार वर्णन कीजिए।

4. 'नैषधे पदलालित्यम्' की व्याख्या कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की भावानुवाद सहित व्याख्या कीजिए :

(क) लोकस्य मोक्षाय गुरौ प्रसूते शमं प्रपेदे जगदव्यवस्थं।
प्राप्येव नाथं खलु नीतिमन्तं एको न मारो मुदमाप लोके।

(ख) धन्योऽस्म्यनुग्राह्यमिदं कुलं ये यन्मां दिदृक्षुभगवानुपेत।
आज्ञाप्यतां किं करवाणि सौम्य शिष्योऽस्मि विनम्भितुमर्हमीति॥

(ग) अधीतिबोधाचरणप्रचारणैर्दशास्चतस्रः प्रणयत्रुपाधिभिः।
चतुर्दशत्वं कृतवान् कुतः स्वयं न वेध्मि चतुर्दशस्वयम्॥

(घ) अयं दरिद्रोभवितेति वैधसीं लिपिं ललाटेऽर्थिजनस्य जाग्रतीम्।
मृषा न चक्रेऽल्पित कल्पपादयः प्रणीय दारिद्र्यदरिद्रतां नलः॥

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नैषधीयचरितम् के आधार पर दमयन्ती का चरित्र चित्रण कीजिए।

2. श्री हर्ष की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

3. नैषधीयचरितम् के आधार पर नल और दमयन्ती की प्रणय कथा का वर्णन कीजिए।

4. बुद्धचरितम् के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

5. बुद्धचरितम् में वर्णित पुत्रोत्सव प्रसंग का वर्णन कीजिए।

6. महाकवि अश्वघोष का जीवन परिचय दीजिए।

7. किन्हीं **दो** श्लोकों की भावानुवाद सहित व्याख्या कीजिए :

   (क) दीपप्रभोऽयं कनकोज्वलाङ्ग सुलक्षणैर्यस्तु समन्वितोऽस्ति।
   निधिर्गुणानां स गतां बुद्धर्षिभावं परमां श्रिया वा॥

   (ख) यथा हिरण्यं शुचि धातुमध्ये मेरुर्गिरीणां सरसां समुद्रः
   तारासु चन्द्रस्तपतां च सूर्यः पुत्रस्तथा ते द्विपदेषु वर्यः॥

   (ग) निवारितास्तेन महीतलेऽखिले निरीतभावं गमितेऽतिवृष्टयः।
   न तत्यजुर्नूनमनन्यविसंश्रयाः प्रतीपभूपालमृगीदृशां दृशः॥

   (घ) तमेव लब्ध्वावसरं ततः स्मरः शरीरशोभाजयजातमत्सरः।
   अमोघशक्त्या निजयेन मूर्तयातया विनिर्जेतुमियेष नैषधम्॥

8. निम्न में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :

   (क) ब्रुवते हि फलेन साधवो न तु कण्ठेन निजोपयोगिताम्।

   (ख) वनेऽपि तौर्यत्रिकमाराध तं क्व भोगमाप्नोति न भाग्यभागजनः।

   (ग) साधने हि नियमोऽन्यस जनानां, योगिनां तु तपसाऽखिलसिद्धिः।

   (घ) आकरः स्वपरभूरिकथानां प्रायशो हि सुहृदोसहवासः।

****